

पाठ का सारांश

यह एक रोचक लोककथा है जो तीन बुद्धिमान भाइयों की तीव्र बुद्धि और पैनी दृष्टि की कहानी है। एक निर्धन व्यक्ति अपने बेटों को बचपन से यही सिखाता है कि धन की बजाय ज्ञान और समझ सबसे बड़ा खजाना है। पिता की मृत्यु के बाद तीनों भाई दुनिया देखने निकल पड़ते हैं। यात्रा के दौरान वे एक नगर पहुँचते हैं, जहाँ वे केवल चिन्हों के आधार पर एक ऊँट के बारे में अनेक सटीक जानकारियाँ दे देते हैं—जैसे ऊँट एक आँख से नहीं देख सकता, उस पर एक महिला और बच्चा सवार थे, आदि।

घोड़े पर सवार ऊँट का मालिक यह सब सुनकर उन्हें चोर समझ लेता है और राजा के पास ले जाता है। राजा भी पहले भाइयों पर संदेह करता है लेकिन जब वे एक बंद पेटी में रखी वस्तु का भी सटीक अनुमान (एक कच्चा अनार) बिना देखे लगा लेते हैं, तब राजा उनकी बुद्धिमत्ता से प्रभावित हो जाता है और उन्हें निर्दोष मान लेता है।

मुख्य संदेश: यह कहानी सिखाती है कि तर्क, अवलोकन शक्ति और गहरी समझ से किसी भी समस्या का हल निकाला जा सकता है। यह धन से अधिक बुद्धि और ज्ञान के महत्व को उजागर करती है।

मुख्य विषय

कहानी का मुख्य विषय बुद्धिमत्ता, सूक्ष्म अवलोकन और सच्चाई है। यह दर्शाती है कि तेज नजर और समझदारी से व्यक्ति मुश्किल हालात में भी सही फैसला ले सकता है। कहानी यह भी सिखाती है कि सच्चाई और ईमानदारी हमेशा जीतती है, भले ही शुरुआत में लोग गलत समझें। यह बच्चों को अपने आसपास की चीजों को ध्यान से देखने और समझने की प्रेरणा देती है।

शब्दार्थ

- | | |
|---------------------------------|----------------------|
| 1. निर्धन: गरीब | 8. निर्भय: निडर |
| 2. संचित: इकट्ठा करना | 9. न्यायालय: अदालत |
| 3. पैनी दृष्टि: तेज नजर | 10. अनुमान: अंदाजा |
| 4. तीव्र बुद्धि: तेज दिमाग | 11. आश्चर्य: हैरानी |
| 5. घूम फिरकर: इधर-उधर भटकना | 12. सावधानी: सतर्कता |
| 6. सुनसान-वीरान: वीरान, निर्जन | 13. उद्यान: बगीचा |
| 7. छाले: पैरों में पानी भरे घाव | 14. प्रशंसा: तारीफ |

सोच-विचार के लिए

लोककथा को एक बार फिर ध्यान से पढ़िए, पता लगाइए और लिखिए—

(क) तीनों भाइयों ने बिना ऊँट को देखे उसके विषय में कैसे बता दिया था?

उत्तर: उन्होंने रास्ते पर मिले चिन्हों, घास की दिशा, पैरों के निशानों, और पेटी की आवाज़ जैसे संकेतों का सूक्ष्म निरीक्षण किया। इसी तीव्र बुद्धि और अवलोकन शक्ति से उन्होंने ऊँट, सवारों और वस्तुओं के बारे में सही अनुमान लगाया।

(ख) आपके अनुसार इस लोककथा का सबसे अधिक महत्वपूर्ण हिस्सा बात को दिया गया है— तार्किक सोच, अवलोकन या सत्यवादिता? लोककथा के आधार पर समझाइए।

उत्तर: अवलोकन सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि पूरी कहानी में भाइयों ने हर घटना, वस्तु और निशान का गहराई से निरीक्षण किया और वहीं से निष्कर्ष निकाला। उन्होंने बिना देखे सब कुछ जान लिया, यह उनकी पैनी दृष्टि और अभ्यास का परिणाम था।

(ग) लोककथा में राजा ने पहले भाइयों पर संदेह किया लेकिन बाद में उन्हें निर्दोष माना। राजा की सोच क्यों बदली?

उत्तर: जब भाइयों ने बिना देखे पेटी में अनार होने की सटीक जानकारी दी और हर उत्तर का तार्किक स्पष्टीकरण दिया, तो राजा उनकी बुद्धिमत्ता से प्रभावित हुआ और समझ गया कि वे निर्दोष हैं।

(घ) ऊँट के स्वामी को भाइयों पर तुरंत संदेह क्यों हुआ? आपके विचार से उसे क्या करना चाहिए था जिससे उसे अपना ऊँट मिल जाता?

उत्तर: स्वामी को लगा कि यदि वे ऊँट को देखे बिना इतना सब जान गए तो निश्चित ही उन्होंने ऊँट चुराया है। उसे पहले उनकी बात को ध्यान से सुनना चाहिए था और उनके दिए संकेतों के अनुसार जाकर ऊँट को खोजने का प्रयास करना चाहिए था।

(ङ) पिता ने बेटों को "दूसरे प्रकार का धन" संचित करने की सलाह क्यों दी? इससे पिता के बारे में क्या-क्या पता चलता है?

उत्तर: उन्होंने यह इसलिए कहा क्योंकि उनके पास भौतिक संपत्ति नहीं थी। वे समझते थे कि ज्ञान, बुद्धि और अनुभव जीवन की सबसे बड़ी पूँजी हैं। इससे पता चलता है कि पिता दूरदर्शी, शिक्षित और समझदार थे।

(च) राजा ने भाइयों की परीक्षा लेने के लिए पेटी का उपयोग किया। इस परीक्षा से राजा के व्यक्तित्व और निर्णय शैली के बारे में क्या-क्या निष्कर्ष निकाला जा सकता है?

उत्तर: राजा धैर्यवान, बुद्धिमान और न्यायप्रिय था। उसने बिना प्रमाण किसी को दंड नहीं दिया और स्वयं जाँच-पड़ताल करके सच्चाई जानने की कोशिश की। वह जिज्ञासु और निष्पक्ष शासक था।

(छ) आप इस लोककथा के भाइयों की किस विशेषता को अपनाना चाहेंगे और क्यों?

उत्तर: मैं उनकी अवलोकन क्षमता और धैर्य को अपनाना चाहूँगा, क्योंकि यह विशेषता किसी भी परिस्थिति को समझने और सही निर्णय लेने में मदद करती है। यह जीवन के हर क्षेत्र में सफलता के लिए आवश्यक है।

सूचनापत्र

कल्पना कीजिए कि आप इस लोककथा के वह घुड़सवार हैं जिसका ऊँट खो गया है। आप अपने ऊँट को खोजने के लिए एक सूचना कागज पर लिखकर पूरे शहर में जगह-जगह चिपकाना चाहते हैं। अपनी कल्पना और लोककथा में दी गई जानकारी के आधार पर एक सूचनापत्र लिखिए।

उत्तर:

सूचनापत्र

खोया हुआ ऊँट - सूचना

सभी नगरवासियों से विनम्र अनुरोध है कि मेरे खोए हुए ऊँट को खोजने में कृपया सहायता करें।

विवरण:

- **ऊँट का प्रकार:** बहुत बड़ा ऊँट, भूरे रंग का।
- **विशेषता:** एक आँख से नहीं देखता (दाईं आँख खराब)।
- **सवार:** मेरी पत्नी और छोटा बेटा ऊँट पर सवार थे।
- **खोने का स्थान:** नगर के निकट सुनसान रास्ते पर।
- **खोने का समय:** कुछ दिन पहले।

संपर्क: यदि आपको ऊँट या मेरे परिवार के बारे में कोई जानकारी मिले, तो कृपया मुझे नगर के मुख्य चौक पर मिलें या राजा के महल में संदेश भेजें।

इनाम: जो भी मेरे ऊँट और परिवार को सुरक्षित लौटाने में मदद करेगा, उसे उचित इनाम दिया जाएगा।

धन्यवाद,

[आपका नाम]

घुड़सवार

पाठ से आगे

आपकी बात

1. लोककथा में तीन भाइयों की पैनी दृष्टि की बात कही गई है। क्या आपने कभी अपनी पैनी दृष्टि का प्रयोग किसी समस्या को हल करने के लिए किया है? उस समस्या और आपने द्वारा दिए गए हल के विषय में लिखिए।

उत्तर: हाँ, एक बार मेरी किताब स्कूल में कहीं खो गई थी। सबको लगा कि कोई ले गया है, लेकिन मैंने ध्यान से अपनी टेबल और बैग के पास देखा और पाया कि किताब नीचे खिसककर एक कोने में चली गई थी। मेरी पैनी दृष्टि और शांत सोच ने समस्या को हल कर दिया।

2. लोककथा में बताया गया है कि भाइयों ने "बचपन से हर वस्तु पर ध्यान देने की आदत डाली।" यदि आपने ऐसा किया है तो आपको अपने जीवन में इसके क्या-क्या लाभ मिलते हैं?

उत्तर: हाँ, मुझे हर बात को ध्यान से देखने की आदत है। इससे मुझे पढ़ाई में बहुत मदद मिलती है। मैं जल्दी चीजें समझ लेता हूँ और भूलता नहीं। कभी-कभी मैं अपने दोस्तों की छोटी गलतियाँ भी पकड़ लेता हूँ जिससे वे सुधार कर पाते हैं।

3. लोककथा में भाइयों को यात्रा करते समय अनेक कठिनाइयाँ आईं, जैसे— भूख, थकान और पैरों में छाले। आप अपने दैनिक जीवन में किन-किन कठिनाइयों का सामना करते हैं? लिखिए।

उत्तर: कभी-कभी स्कूल समय पर पहुँचने में परेशानी होती है क्योंकि मेरा घर दूर है। कभी होमवर्क समय पर नहीं हो पाता या परीक्षा में डर लगता है। लेकिन मैं कोशिश करता हूँ कि इन सबका सामना हिम्मत और समय प्रबंधन से कर सकूँ।

4. भाइयों ने बिना देखे ही ऊँट के बारे में सही-सही बातें बताईं। आपको क्या लगता है कि अनुभव और समझ से देखे बिना भी सही निर्णय लिया जा सकता है? क्या आपने कभी ऐसा किया है?

उत्तर: हाँ, कभी-कभी अनुभव और समझ इतनी गहरी होती है कि बिना देखे भी हम सही बात का अनुमान लगा सकते हैं। एक बार मेरे दोस्त ने झूठ बोलने की कोशिश की थी, लेकिन उसके व्यवहार से मैंने समझ लिया और उसे सच बोलने के लिए समझाया।

5. जब ऊँट के स्वामी ने भाइयों पर शंका की तो भाइयों ने बिना गुस्सा किए शांति से उत्तर दिया। क्या आपको लगता है कि कभी किसी को संदेह होने पर हमें भी शांत रहकर उत्तर देना चाहिए? क्या आपने कभी ऐसी स्थिति का सामना किया है?

उत्तर: बिल्कुल। गुस्से से बात बिगड़ती है। एक बार मुझ पर किसी चीज़ को तोड़ने का झूठा आरोप लगा, लेकिन मैंने गुस्से के बजाय शांति से बताया कि मैं उस समय वहाँ नहीं था। बाद में सच्चाई सामने आई और सबने मुझसे माफ़ी मांगी।

6. राजा ने भाइयों की बुद्धिमानी देखकर बहुत आश्चर्य व्यक्त किया। क्या आपको कभी किसी की सोच, समझ या किसी विशेष कौशल को देखकर आश्चर्य हुआ है? क्या आपने कभी किसी से कुछ ऐसा सीखा है जो आपके लिए बिल्कुल नया और चौंकाने वाला हो?

उत्तर: हाँ, मेरी एक सहपाठी बहुत सुंदर चित्र बनाती है। जब मैंने पहली बार उसका चित्र देखा, तो मैं चकित रह गया। मैंने उससे चित्र बनाना सीखना शुरू किया और अब मुझे भी चित्रकारी में आनंद आने लगा है।

7. लोककथा में पिता ने अपने बेटों को यह सलाह दी कि वे समझ और ज्ञान जमा करें। क्या आपको कभी किसी बड़े व्यक्ति से ऐसी कोई सलाह मिली है जो आपके जीवन में उपयोगी रही हो? क्या आप भी अपने अनुभव से किसी को ऐसी सलाह देंगे?

उत्तर: हाँ, मेरे दादा जी हमेशा कहते हैं— "जो भी करो, पूरे मन से करो।" उनकी यह बात मैंने हमेशा ध्यान में रखी है। जब भी मैं कुछ करता हूँ, तो पूरी मेहनत और लगन से करता हूँ। मैं भी दूसरों को यही सलाह देता हूँ।

8. भाइयों ने अपने ऊपर लगे आरोपों के होते हुए भी सदा सच्चाई का साथ दिया। क्या आपको लगता है कि सदा सच बोलना महत्वपूर्ण है? भले ही स्थिति कठिन क्यों न हो? क्या आपको किसी समय ऐसा लगा है कि आपकी सच्चाई ने आपको समस्याओं से बाहर निकाला हो?

उत्तर: जी हाँ, सच्चाई सबसे बड़ी ताकत होती है। एक बार स्कूल में सबका होमवर्क खो गया था, और कुछ बच्चों ने मुझ पर शक किया। मैंने सच-सच बताया कि मैंने अपना ही किया था, और बाद में होमवर्क स्टाफ रूम में मिल गया। मेरी सच्चाई ने मुझे सबके सामने सम्मान दिलाया।

पाठ से आगे

I. बहुविकल्पीय प्रश्न । (प्रत्येक प्रश्न के लिए सही विकल्प चुनिए।)

1. पिता ने अपने बेटों को क्या सलाह दी थी?

A) सोने-चाँदी जमा करो B) हर वस्तु और स्थिति को समझो
C) पैसे कमाओ D) खुद पर भरोसा रखो

सही उत्तर: b) हर वस्तु और स्थिति को समझो

व्याख्या: पिता ने कहा कि बेटों को पैनी दृष्टि और तीव्र बुद्धि से हर चीज को समझना चाहिए।

2. बेटों ने कौन सा निर्णय लिया था जब उनके पास कुछ भी नहीं था?

A) वे व्यापार करने लगे B) वे घूमने निकल गए
C) वे खेती करने लगे D) वे किताबें पढ़ने लगे

सही उत्तर: b) वे घूमने निकल गए

व्याख्या: जब बेटों के पास कुछ नहीं था, तो उन्होंने यात्रा पर जाने का निर्णय लिया।

3. सबसे बड़े भाई ने सबसे पहले क्या देखा था?

A) ऊँट का निशान B) घुड़सवार C) घोड़े के पदचिन्ह D) ऊँट

सही उत्तर: a) ऊँट का निशान

व्याख्या: सबसे बड़े भाई ने सबसे पहले ऊँट का निशान देखा।

4. तीनों भाइयों ने ऊँट के बारे में क्या बताया था?

A) ऊँट एक आँख से नहीं देख सकता था. B) ऊँट के साथ एक महिला और बच्चा सवार थे
C) ऊँट बहुत बड़ा था D) सभी उपरोक्त

सही उत्तर: d) सभी उपरोक्त

व्याख्या: बड़े भाई ने ऊँट के आकार, मझले ने उसकी आँख, और छोटे ने महिला और बच्चे की बात की।

5. राजा ने तीनों भाइयों की बुद्धि के बारे में क्या कहा?

A) वे बहुत अच्छे व्यापारी हैं. B) वे बहुत गरीब हैं
C) वे बहुत बुद्धिमान हैं D) वे अच्छे सैनिक हैं

सही उत्तर: c) वे बहुत बुद्धिमान हैं.

व्याख्या: राजा ने उनकी पैनी दृष्टि और बुद्धि की प्रशंसा की और उन्हें दरबार में रख लिया।

II. रिक्त स्थान भरें । (नीचे रिक्त स्थानों में सही शब्द लिखिए।)

1. पिता ने बेटों से कहा, “तुम्हारे पास _____ दृष्टि होगी और सोने-चाँदी के स्थान पर _____ होगी।”

उत्तर: पैनी, तीव्र बुद्धि

व्याख्या: पिता ने अपने बेटों को सलाह दी कि उन्हें पैनी दृष्टि और तीव्र बुद्धि हासिल करनी चाहिए।

2. बेटों ने यात्रा पर जाने से पहले _____ किया।

उत्तर: निर्णय

व्याख्या: बेटों ने आपस में चर्चा की और फिर यात्रा पर जाने का निर्णय लिया।

3. सबसे छोटे भाई ने ऊँट के बारे में कहा कि ऊँट पर एक _____ और एक बच्चा सवार थे।

उत्तर: महिला

व्याख्या: सबसे छोटे भाई ने देखा था कि ऊँट पर एक महिला और एक बच्चा सवार थे।

4. राजा ने सबसे छोटे भाई से पूछा, “तुम्हें कैसे पता चला कि _____ कच्चा है?”

उत्तर: अनार

व्याख्या: राजा ने यह पूछा कि छोटे भाई को कैसे पता चला कि अनार कच्चा है।

5. तीनों भाइयों ने राजा से कहा, “हमने _____ को देखा तक नहीं।”

उत्तर: ऊँट

व्याख्या: तीनों भाइयों ने राजा से कहा कि उन्होंने ऊँट को देखा तक नहीं।

III. अति-लघु उत्तर प्रश्न । (प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिए।)

1. पिता ने बेटों से किस प्रकार का धन संचित करने की सलाह दी?

उत्तर: पिता ने बेटों को पैनी दृष्टि और तीव्र बुद्धि संचित करने की सलाह दी।

2. सबसे बड़े भाई ने ऊँट के बारे में क्या जानकारी दी?

उत्तर: उसने बताया कि ऊँट बहुत बड़ा था और एक आँख से नहीं देख सकता था।

3. भाइयों को क्या संकेत मिला कि ऊँट पर महिला और बच्चा सवार थे?

उत्तर: छोटे भाई ने देखा कि ऊँट के पास महिला के जूतों के निशान और छोटे पैरों के निशान थे।

4. राजा ने किस कारण से तीनों भाइयों को बुद्धिमान माना?

उत्तर: राजा ने उन्हें बुद्धिमान माना क्योंकि उन्होंने ऊँट के बारे में बिना देखे ही सब कुछ सही-सही बताया।

5. राजा ने पेटी में क्या देखा?

उत्तर: राजा ने पेटी में कच्चा अनार देखा।

IV. लघु उत्तर प्रश्न। (प्रश्नों के उत्तर 2-3 पंक्ति में दीजिए।)

1. तीनों भाइयों ने ऊँट के बारे में बिना देखे ही कैसे सब कुछ बताया?

उत्तर: उन्होंने धूल के निशान, घास की स्थिति, और पैरों के चिह्नों से अनुमान लगाया कि ऊँट बड़ा था, एक आँख से नहीं देखता, और उस पर महिला व बच्चा सवार थे।

2. जब राजा ने पेटी में क्या देखा, तो वह चकित हो गया?

उत्तर: राजा ने पेटी में कच्चा अनार देखा, जिसे भाइयों ने बिना देखे सही बताया, इसलिए वह चकित हो गया।

3. ऊँट के मालिक ने क्यों कहा कि तीनों भाई चोर हैं?

उत्तर: ऊँट के मालिक ने यह कहा क्योंकि भाइयों ने ऊँट के बारे में सही जानकारी दी थी।

4. राजा ने यह कैसे जाना कि तीनों भाई सच कह रहे थे?

उत्तर: राजा ने पेटी में कच्चा अनार देखकर और तीनों भाइयों द्वारा बताए गए चिह्नों का मिलान करके यह जाना कि वे सच कह रहे थे।

5. राजा ने क्या निर्णय लिया?

उत्तर: राजा ने यह निर्णय लिया कि तीनों भाइयों को उनकी बुद्धिमत्ता के कारण दरबार में रखा जाएगा।